<u>मूल हिंदी में</u>

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 175

18.07.2022 को उत्तर के लिए

देश में वनाच्छादित क्षेत्र

175. श्री मलूक नागर :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कितने हेक्टेयर वनाच्छादित क्षेत्र है और ऐसे वनाच्छादित क्षेत्र का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार प्रतिशत कितना है;

(ख) हेक्टेयर और प्रतिशत के रूप में वनाच्छादित क्षेत्र का राष्ट्रीय औसत क्या है;

(ग) क्या सरकार का देश में वनाच्छादित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए नई पहल करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) और (ख): मंत्रालय के एक अधीस्थ संगठन-भारत वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून, द्वारा वर्ष 1987 से द्विवार्षिक आधार पर देश के वनावरण का आकलन किया जाता है और उसके निष्कर्षों को भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) में प्रकाशित किया जाता है। वनावरण का आकलन गहन जमीनी सत्यापन और राष्ट्रीय वन सूची से प्राप्त क्षेत्र डेटा से समर्थित दूरसंवेदी पर आधारित एक भित्ति-दर-भित्ति (वाल-टू-वाल) मानचित्रण कार्य है। नवीनतम आईएसएफआर-2021 के अनुसार, देश का वन आच्छादित क्षेत्र 7,13,78,903 हेक्टेयर है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.71% है। आईएसएफआर 2021 के अनुसार वन आच्छादन का राज्य और संघ राज्य क्षेत्र वार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ग) और (घ): देश में वन और वृक्षावरण में वृद्धि के लिए केन्द्र और राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। इनमें पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम (एनएपी) और हरित भारत मिशन (जीआईएम) शामिल हैं। राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम एक केन्द्र-प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य देश में अवक्रमित वन और उसके समीपवर्ती क्षेत्रों को पुन:वनाच्छादित करना है। इस योजना को 3 स्तर के संस्थागत ढांचे-राज्य स्तर पर राज्य वन विभाग एजेंसी (एसएफडीए), वन प्रमंडल स्तर पर वन विभाग एजेंसी (एफडीए) और ग्राम स्तर पर संयुक्त वन प्रबंधन समितियों (जेएफएमसी)- के माध्यम से

कार्यान्वित किया जा रहा है। अब एनएपी योजना का हरित भारत मिशन के साथ विलय कर दिया गया है। राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (जीआईएम) जलवायु परिवर्तन संबंधी राष्ट्रीय कार्य-योजना के तहत रेखांकित आठ मिशनों में से एक है। इसका उद्देश्य वन और वनेत्तर क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यकलापों के माध्यम से भारत के वनाच्छादन का संरक्षण, उसकी पूर्व स्थिति में बहाली और उसमें वृद्धि करना तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु कार्रवाई करना है।

वनीकरण कार्यकलाप, विभिन्न कार्यक्रमों/वित्त पोषण स्त्रोतों जैसे प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और आयोजना प्राधिकरण (काम्पा) के तहत प्रतिपूरक वनीकरण निधियां, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी स्कीम (मनरेगा) के तहत वनीकरण कार्यकलाप, राष्ट्रीय कृषि-वानिकी नीति और कृषि-वानिकी संबंधी उप-मिशन (एसएमएएफ), राष्ट्रीय बांस मिशन और राष्ट्रीय संधारणीय कृषि मिशन के अंतर्गत भी किए जाते हैं। इसके अलावा, राज्य और संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के अपने वनीकरण और पुनर्वनीकरण कार्यक्रम हैं। लगभग प्रत्येक राज्य में सामाजिक वानिकी के तहत कार्यकलाप संचालित किए जाते हैं, जिनमें अधिकाशत: वनों से बाहर के क्षेत्रों में वृक्षारोपण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

*****

अनुबंध

'देश में वनाच्छादित क्षेत्र' के संबंध में दिनांक 18.07.2022 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 175 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

आईएसएफआर 2021 के अनुसार वनाच्छादन का राज्य संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण

(क्षेत्रफल हेक्टेयर में)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	भौगोलिक क्षेत्र	कुल वन आवरण	भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत
1	आंध्र प्रदेश	1,62,96,800	29,78,004	18.28
2	अरुणाचल प्रदेश	83,74,300	66,43,100	79.33
3	असम	78,43,800	28,31,200	36.09
4	बिहार	94,16,300	7,38,100	7.84
5	छतीसगढ	1,35,19,200	55,71,700	41.21
6	दिल्ली	1,48,300	19,500	13.15
7	गोवा	3,70,200	2,24,400	60.62
8	गुजरात	1,96,24,400	14,92,600	7.61
9	हरियाणा	44,21,200	1,60,300	3.63
10	हिमाचल प्रदेश	55,67,300	15,44,300	27.73
11	झारखंड	79,71,600	23,72,100	29.76
12	कर्नाटक	1,91,79,100	38,73,000	20.19
13	केरल	38,85,200	21,25,300	54.70
14	मध्य प्रदेश	3,08,25,200	77,49,300	25.14
15	महाराष्ट्र	3,07,71,300	50,79,800	16.51
16	मणिपुर	22,32,700	16,59,800	74.34
17	मेघालय	22,42,900	17,04,600	76.00
18	मिजोरम	21,08,100	17,82,000	84.53
19	नागालैंड	16,57,900	12,25,100	73.90
20	ओडिशा	1,55,70,700	52,15,600	33.50
21	पंजाब	50,36,200	1,84,700	3.67
22	राजस्थान	3,42,23,900	16,65,500	4.87
23	सिक्किम	7,09,600	3,34,100	47.08
24	तमिलनाडु	1,30,06,000	26,41,900	20.31
25	तेलंगाना	1,12,07,700	21,21,400	18.93
26	त्रिपुरा	10,48,600	7,72,200	73.64
27	उत्तर प्रदेश	2,40,92,800	14,81,800	6.15
28	उत्तराखंड	53,48,300	24,30,500	45.44
29	पश्चिम बंगाल	88,75,200	16,83,200	18.96
30	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	8,24,900	6,74,400	81.75
31	चंडीगढ़	11,400	2,288	20.07
32	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	60,200	22,775	37.83
33	जम्मू और कश्मीर (54,624)	2,22,23,600	21,38,700	39.15
34	लद्दाख (1,68,055)		2,27,200	1.35
35	लक्षद्वीप	3,000	2,710	90.33
36	पुदुचेरी	49,000	5,330	10.88
कुल		**32,87,46,900**	**7,13,78,903**	**21.71**